ज्ञान वहीं उपजता है, जहां होती है जिज्ञासा

रवीन्द्र भवन में टैगोर अंतरराष्ट्रीय साहित्य और कला महोत्सव का समापन

नवभारत प्रतिनिधि,
भोपाल, 29 नवंबर. रवीन्द्र भवन में चल रहे विश्वरंग 2025 के तीसरे और अंतिम दिन की शुरुआत सितार वादक अनिरुद्ध जोशी और तबला वादक मनोज पाटीदार की शांत, आध्यात्मिक और मन को स्थिर करने वाली प्रस्तुति से हुई. स्वरलहरियों ने सभागार को ऐसा वातावरण दिया कि आगे के सत्रों के प्रति उत्साह और जिज्ञासा स्वयं ही बढ़ गई.पौराणिक आख्यानों पर हुए सत्र में देवदत्त पटनायक ने माइथोलॉजी को प्रश्नों और शंका के साथ पढ़ने पर जोर दिया.

उनका कहना था कि अधूरे सत्य को समझने के लिए तर्क आवश्यक है और ज्ञान वहीं उपजता है, जहां जिज्ञासा जीवित रहती है. इस के बाद स्त्री अस्मिता पर केंद्रित सत्र में वक्ताओं ने भारतीय विचार परंपरा में स्त्री की भूमिका और उसके सतत संघर्ष को नए नजरिए से रखा. दिनभर चले इन सत्रों ने विश्वरंग के समापन दिवस को एक समग्र सांस्कृतिक, बौद्धिक और रचनात्मक अनुभव में बदल दिया.

सीखते रहो, गढ़ते रहो अपना किरदार: अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा से संवाद में उनकी रचनात्मक प्रक्रिया और अभिनय-अनुशासन के पहलू सामने आए. उन्होंने बताया कि अभिनय उनके लिए सतत साधना है और किसी भी किरदार को समझने के लिए वे लगातार अभ्यास, लेखन और अवलोकन का सहारा लेती हैं. युवाओं को उन्होंने शिक्षा पूरी करने और एकाग्रता विकसित करने की सलाह दी.

जिज्ञासा ही ज्ञान का द्वार : सौरभ द्विवेदी

वैचारिक सत्र में वरिष्ठ पत्रकार सौरभ द्विवेदी ने आत्मविकास, सीखने की प्रक्रिया और भारतीय दर्शन के संदर्भों पर सरल लेकिन प्रभावशाली टिप्पणी की. उन्होंने कहा कि मनुष्य उतना ही आगे बढ़ता है जितना सीखता है और जिज्ञासा ही वास्तविक ज्ञान का द्वार खोलती है. उन्होंने अपने अनुभवों और उदाहरणों के साथ विद्यार्थियों को वैज्ञानिक चेतना, संवेदनशीलता और निरंतर सीखने की आवश्यकता पर बल दिया.

गोबर से पेन स्टैंड, अखरोट के छिलकों से बनाईं मालाएं

विश्व रंग में देश के कई राज्यों से आए शिल्पकारों ने अपने स्टॉल लगाए, इन स्टॉलों में बांस से लेकर गोबर तक से बनी हुई सामग्री आकर्षण का केन्द्र रही. प्रस्तुत है इन सामग्रियों को बनाने वाले शिल्पकारों से नवभारत की बातचीत.

गोबर से कई उपयोगी चीजें बनाई जा सकती हैं जैसे हमने ये पेन स्टैंड, माड़ना पेंटिंग जिनका इस्तेमाल घरों को सजाने में किया जाता है. साथ ही शिवलिंग भी बना रहे हैं. इन सभी को बनाकर इसमें रंग भरने में समय लगता है. लेकिन बनने के बाद लोगों तक जब ये चीजें पहुचंती हैं तो अच्छा लगता है.

महिमा पाण्डेय, भोपाल

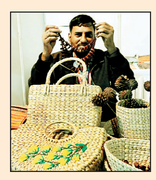

अखरोट के छिलकों और बीजों से असम में पहने जाने वाली पारंपरिक मालायें बनाई हैं. इसमें नाहोर, घीला और बैजंती की माला है. इसके अनोखे आकर और पैटर्न के कारण काफी लोग इसको आकर्षण के साथ देख रहे हैं.

अमित कुमार मंडल, असम

हमारे पास असम की परम्परिक ज्वेलरी है जो कहीं और आसानी से नहीं मिलती. इनको किसी विशेष प्राकृतिक आकृति से प्रभवित होकर बनाया जाता है. जैसे चांद की आकृति में जूनसेट और जापी सेट जैसे कई गले का सेट सहित हाथों की ज्वेलरी है. इनको हाथों से बनाते हैं.

कुंजा दास, गुवाहाटी

छात्र नेतृत्व दल पदाधिकारियों ने ली शपथ

सांदीपनि विद्यालय निशातपुरा में हुआ समारोह

नवभारत प्रतिनिधि
भोपाल, 29 नवम्बर. छात्र नेतृत्व दल के पदाधिकारियों का सांदीपनि विद्यालय निशातपुरा में शनिवार को शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया. कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में भारतीय डाक विभाग के वरिष्ठ अधिकारी पवन कुमार डालमिया शामिल हुए. प्रतिवर्ष की तरह इस बार भी छात्र नेतृत्व दल का गठन लोकतांत्रिक निर्वाचन पद्धति से किया गया.

मुख्य अतिथि डालमिया ने कहा 6 जरूरी बातें हैं, जिसे छात्रों को अपने स्कूली जीवन में सीख लेना चाहिए. उसमें खुद को समझना, स्वास्थ्य को स्थिर रखने का महत्व, खुद की पसंद, खेल-कूद का महत्व, मेडिटेशन का महत्व और एक मित्र होना जिससे मन की बातें शेयर की जा सके, इन बातों को सीख और अच्छी तरह से समझ लेना चाहिए.

जो उम्र भर आपके काम आयेंगी. साथ ही शपथग्रहण के अर्थ के रूप में अपने कर्तव्यों के प्रति सच्ची निष्ठा रखना सबसे अहम है. उन्होंने कहा अगर आज आप सत्य, ईमानदारी, अनुशासन, सहयोग और परिश्रम का जो व्रत ले रहे हैं, वही आपके व्यक्तित्व को महान बनाएगा. कार्यक्रम के दौरान शाला के प्राचार्य राकेश चंद्र जैन, उपप्राचार्य सुनीता चोलकर, ओंकुश वर्मा, कांति जैन, निदा जावेद, मनोज कुमारी मिश्रा एवं सभी शिक्षक, शिक्षिकाओं उपस्थित रहे .

बौद्ध युवक-युवती विवाह परिचय सम्मेलन 28 दिसम्बर को

भोपाल. कल्पअशोका जन कल्याण समिति, मध्यप्रदेश के तत्वावधान में 28 दिसम्बर रविवार को तुलसी नगर स्थित जयंती मैदान, भोपाल में सुबह 10 बजे से बौद्ध युवक-युवती परिचय सम्मेलन आयोजित किया जायेगा, जिसमें डॉक्टर इंजीनियर, आई.आई.टी. एवं आई.आई.एम. शिक्षा प्राप्त शासकीय/ प्रायवेट नौकरी में कार्यरत बौद्ध युवक-युवती अपना परिचय देंगे. समिति के अध्यक्ष जयेन्द्र जाधव ने बताया कि सामूहिक विवाह का कार्यक्रम संस्था की ओर से नि:शुल्क विवाह दोपहर 3 बजे से कराया जायेगा.

धूनी वाले दादाजी की पुण्यतिथि पर 3 दिसंबर को होगा अभिषेक

भोपाल, 29 नवंबर. श्री धूनी वाले दादाजी (केशवानंदजी महाराज) साईखेड़ा खंडवा वाले की पुण्यतिथि पर 3 दिसंबर को रुद्री पाठ से अभिषेक, विधि विधान से पूजन, सेवा और पर्यावरण संरक्षण संदेश इको फ्रेंडली भंडारा किया जाएगा.

दादाजी धाम मंदिर रायसेन रोड पटेल नगर भोपाल के दादाजी गुरुदेव चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष शिवरतन नामदेव एवं ट्रस्टियों ने बताया 3 दिसंबर दिन बुधवार को श्री धूनीवाले दादाजी (केशवानंदजी महाराज) की पुण्यतिथि के अवसर पर दादाजी धाम मंदिर के गर्भग्रह में विराजमान श्री धूनी वाले दादाजी की प्रतिमा का रुद्री पाठ से अभिषेक, पूजन किया जाएगा.

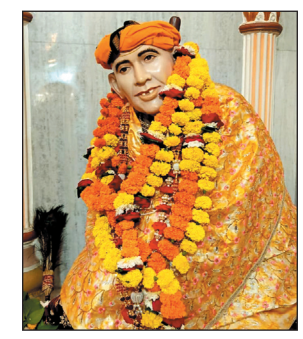

एक नजर में

एकीकृत स्वास्थ्य प्रणाली पर विशेषज्ञों ने की चर्चा

भोपाल, 29 नवंबर. एम्स भोपाल ने आरोग्य भारती के सहयोग से 'आरोग्य मंथन-2' नामक राष्ट्रीय स्वास्थ्य संगोष्ठी का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य भारत में एकीकृत स्वास्थ्य प्रणाली को स्थापित करना है. इस कार्यक्रम का मुख्य विषय था 'एक राष्ट्र, एक स्वास्थ्य प्रणाली - वर्तमान समय की आवश्यकता,' और इसका लक्ष्य देशभर में गुणवत्ता पूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक समान पहुँच सुनिश्चित करना है. इस संगोष्ठी में स्वास्थ्य पेशेवरों, नीति-निर्माताओं और प्रमुख हितधारकों को एकीकृत स्वास्थ्य ढांचे पर विचार-विमर्श करने के लिए आमंत्रित किया गया. कार्यक्रम का मूल मंत्र था 'स्वस्थ व्यक्ति, स्वस्थ परिवार, स्वस्थ ग्राम, स्वस्थ राष्ट्र,' जो निवारक देखभाल और समग्र स्वास्थ्य प्रथाओं के महत्व पर बल देता है.

राफेल एकादश और स्कोप यूनिवर्सिटी की टीमें जीतीं

▶ हुकुम सिंह स्मृति ग्रीन पैराडाइस कप क्रिकेट प्रतियोगिता

भोपाल, 29 नवंबर. स्वर्गीय ठाकुर हुकुम सिंह स्मृति अखिल भारतीय ग्रीन पैराडाइस कप क्रिकेट प्रतियोगिता में शनिवार को राफेल एकादश और स्कोप यूनिवर्सिटी की टीमें जीतीं.

पहले मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए महाबली वारियर्स ने 129/10 रन बनाये. जवाबी पारी खेलते हुए राफेल एकादश ने 130/8 रन बनाकर मैच को 2 विकेट से जीत लिया. दूसरा मैच स्कोप यूनिवर्सिटी और डॉ रज़ा क्रिकेट क्लब के बीच खेला गया ,जिसमें स्कोप यूनिवर्सिटी की टीम ने मैच को 51 रनों से जीत लिया.

अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में कृष्णायन की प्रस्तुति कल

नवभारत प्रतिनिधि,
भोपाल. गीता जयंती के अवसर पर एक दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का आयोजन रवीन्द्र भवन के हंसध्वनि सभागार में होगा. एक दिवसीय कार्यक्रम में भोपाल के कथाकार मोहित शेवानी कृष्णायन की विशेष प्रस्तुति देंगे. इसमें वे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित सांगीतिक अनुभव के माध्यम से दर्शकों को श्रीकृष्ण और मध्यप्रदेश की कहानी से रूबरू कराएंगे. मप्र संस्कृति विभाग के वीर भारत न्यास द्वारा संयोजित कार्यक्रम में बेंगलुरु के डॉ सलाउद्दीन पाशा के निर्देशन में गीता ऑन व्हील्स प्रस्तुति होगी. साथ ही विश्व गीता प्रतिष्ठानम् श्रीमद्भगवद्गीता नृत्य नाटिका पेश करेगा.

वार्षिकोत्सव में बॉलीवुड गीतों पर थिरके बच्चे

भोपाल, 29 नवंबर. शहर के अरेरा कॉलोनी स्थित कैंपियन स्कूल का 57 वां वार्षिकोत्सव-2025 थ्रेड्स ऑफ टाईम्स टाई फॉर टूमोरो' की थीम पर धूमधाम से मनाया गया. इसमें केजी वन से दूसरी तक के छात्र- छात्राओं ने विभिन्न नृत्य, नुक्कड़ नाटक, नृत्य नाटिका, बॉलीवुड गीतों पर नाच गान, कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदीप कुमार उपाध्याय (पूर्व छात्र कैम्पियन स्कूल 1985 बैच), बीएचईएल भोपाल यूनिट प्रमुख थे.

मोन्ट गाला नाईट 2025-26 का शुभारंभ

भोपाल, 29 नवम्बर. राजधानी के सेंट मोनफोर्ट स्कूल में ''मोन्ट गाला नाईट 2025-26'' का शनिवार शाम को शुभारंभ हुआ.

इस आयोजन का शुभारंभ महापौर मालती राय ने किया. इस दौरान स्कूल के बच्चों ने मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी. स्कूल प्रबंधन द्वारा महापौर राय का सम्मान शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर किया गया.

आज 20 इलाकों में होगी बिजली कटौती

भोपाल. मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी रविवार को राजधानी भोपाल के लगभग 20 इलाकों में मेंटेनेंस करेगी, इसके चलते इन इलाकों में कुछ समय बिजली सप्लाई बंद रहेगी. रविवार को सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक मीनाक्षी अपॉर्टमेंट, रिगालिया एवं आसपास. सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक सजदा नगर, कर्बला रोड, मीसा अपॉर्टमेंट, नादरा कॉम्पलेक्स एवं आसपास. सुबह 10 से शाम 4 बजे तक गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया, आदमपुर, छावनी, दोबरा, चोर सगोनी, ओमेगा फार्म. सुबह 10 से शाम 4 बजे तक कोकता, ट्रांसपोर्ट नगर में बिजली बंद रहेगी.

एम्स भोपाल में शरीर दान करने वाले परिवारों का सम्मान

भोपाल, 29 नवंबर. एम्स भोपाल संस्थान ने एनाटॉमी (शरीर रचना विज्ञान) विभाग के सहयोग से शरीर दान जागरुकता और सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया. इस कार्यक्रम का उद्देश्य शरीर दान करने वाले परिवारों के निस्वार्थ योगदान को सम्मानित करना और आम नागरिकों में शरीर दान के महत्व के प्रति जागरुकता फैलाना था.

इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक एवं सीईओ, प्रो. (डॉ.) माधवानन्द कर ने कहा कि शरीर दान एक पवित्र कार्य है और इसके संबंध में धार्मिक भ्रांतियों को दूर करना चाहिए. उन्होंने यह भी बताया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मॉडल कभी भी प्राकृतिक शरीर का स्थान नहीं ले सकते. चिकित्सा अधीक्षक प्रो. (डॉ.) विकास गुप्ता ने कहा कि शरीर दान मेडिकल शिक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है. यह छात्रों को वास्तविक अनुभव देता है, जो उनके क्लिनिकल प्रशिक्षण के लिए अनिवार्य है. इस कार्यक्रम में, संदेश कुमार जैन (उप निदेशक, प्रशासन), प्रो. (डॉ.) रजनीश जोशी (डीन, अकादमिक) और डॉ. बर्था ए.डी. रथिनम (प्रमुख, एनाटॉमी विभाग) उपस्थित रहे. कार्यक्रम में शरीर दान करने वाले परिवारों और सहयोगी एनजीओ को सम्मानित किया गया.

प्रतिभागियों ने अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा किए, जिससे शरीर दान के सामाजिक और शैक्षणिक प्रभाव को उजागर किया गया. इसके साथ ही एमबीबीएस छात्रों ने शरीर दान के महत्व को समझाने के लिए जागरूकता नाटिका प्रस्तुत की. एम्स भोपाल ने आम नागरिकों से शरीर दान के लिए पंजीकरण करने का आग्रह किया, ताकि भविष्य में चिकित्सा शिक्षा और शोध कार्य में इसका योगदान बढ़ाया जा सके.

रंगमंच | **भोजकला राष्ट्रीय नाट्य समारोह में फादर इन लव का मंचन**

नाटक से बताया युवाओं की सोच और परिवार के प्रति दृष्टिकोण

नवभारत प्रतिनिधि
भोपाल, 29 नवंबर. भोजकला राष्ट्रीय नाट्य समारोह के दूसरे दिन नाट्यम भटिंडा द्वारा प्रस्तुत नाटक फादर इन लव एक प्रस्तुति में आज के बदलते पारिवारिक रिश्तों की जीवंत झलक दिखी. संस्कृति मंत्रालय नई दिल्ली के सहयोग से भोज कला एवं शिक्षा संस्थान द्वारा लिटिल बैलेट ट्रूप के रागबंध सभागार में हुआ.

यह मंचन शुरुआत से ही दर्शकों को अपनी ओर खींचता रहा. अतुल सत्य कौशिक के लेखन और कीर्ति किरपाल के पंजाबी अनुवाद व निर्देशन में यह कहानी एक पिता, उसकी बेटी और दामाद के बीच उभरते रिश्तों की उलझनों को बेहद सरल और मनोरंजक ढंग से सामने लाती है. नाटक की भाषा और प्रस्तुति ने आज के युवाओं की सोच, उनकी जीवनशैली और परिवार के प्रति बदलते दृष्टिकोण को सटीक रूप में दर्शाती है.

मुख्य किरदार दिलीप वैद्य जब वर्षों बाद बेटी दीया से मिलने आते हैं, तो उनके भावनात्मक संघर्ष, ईर्ष्या, झुंझलाहट और प्रेम—सब मंच पर बिना बोझिल हुए उभरते हैं. वहीं दीया और कनव के बीच की सहज नोकझोंक और अवनी का आगमन कहानी को एक नया मोड़ देता है. कई दृश्य ऐसे थे, जहां दर्शक मुस्कुराने पर मजबूर हो गए.

नाटक की सबसे बड़ी खूबी इसका वास्तविक होना है. इसमें सिगरेट, शराब, पुरानी दोस्ती, करियर का दबाव और आज के समय की बेबाक बातचीत सभी कुछ उसी रूप में दिखाई देता है, जैसा हम रोजमर्रा में देखते हैं. यही वजह है कि नाटक दर्शकों को लगातार जोड़कर रखता है. फादर इन लव को देखकर लगा कि रंगमंच अभी भी समाज के सबसे करीब खड़ा है और आधुनिक रिश्तों को जितनी गरिमा और सहजता से यह प्रस्तुत करता है, वह आज के दर्शकों के लिए बेहद प्रासंगिक है.

जैन नगर में नवीन संत भवन का भूमिपूजन

भोपाल, 29 नवंबर. श्री शांतिनाथ जिनालय के समीप जैन नगर लालघाटी में पंचमुखी का नवीन संत भवन बनने जा रहा है. इसका भूमिपूजन आचार्य विशद सागर महाराज सहित 10 साधुओं के सानिध्य में हुआ. इस दौरान भगवान शांतिनाथ के जयकारों के साथ विधि विधान से क्रियाएं की गई. श्रद्धालुओं ने शिलाएं अर्पित की.

पंडित राजेश राज के निर्देशन में अनुष्ठान हुए. संचालन सुनील पब्लिशर द्वारा किया गया. मंदिर समिति के अध्यक्ष निर्मल जैन टी आई और संरक्षक अजय ज्योतिष ने बताया आचार्य संघ के सानिध्य में भगवान शांतिनाथ का अभिषेक और जगत शांति की कामना को लेकर मंत्र उच्चारित शांति धारा की गई. पूजा अर्चना के बाद शिलान्यास की क्रियाएं हुई. नवीन संत भवन का नाम श्रमण बस्तीका भवन होगा. मंदिर समिति प्रवक्ता सौरभ इंजीनियर ने बताया श्री शांतिनाथ जिनालय में आने वाले समय में भव्य स्वर्णमयी प्रतिमा भी स्थापित की जाएगी.

आचार्य विशद सागर महाराज ने आशीष वचन में कहा भारतीय संस्कृति में श्रमण परंपरा सबसे बड़ी संपदा है. हजारों हजारों साल से संतों की तप, त्याग और संयम साधना स्थली देश की पावन भूमि रही है. संतों का आशीर्वाद और मार्गदर्शन हमारे देश की सुख-समृद्धि और शांति का कारण है. जीवन की क्रियाओं में हमें हमेशा धर्म आराधना और साधना के साथ परोपकार के कार्य भी करना चाहिए.